पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———

राज्यपाल ने मेरठ कॉलेज मेरठ की नैक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की

———

विद्यार्थियों के फीडबैक के माध्यम से ही शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार संभव

———

दुर्लभ पुस्तकों का करें संरक्षण

———

इंटरनेशनल, नेशनल कांफ्रेंस तथा विविध ऑनलाइन गतिविधियों का आयोजन करे महाविद्यालय

———

नैक क्राइटेरिया में युवाओं के साथ–साथ अनुभवी अध्यापकों को भी किया जाए शामिल

———

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 15 जुलाई, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज राजभवन में मेरठ कॉलेज, मेरठ द्वारा नैक (नेशनल एक्रेडिटेशन एंड असेसमेंट काउंसिल) के लिए दाखिल होने वाली सेल्फ स्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) की समीक्षा की। इस बैठक में नैक के सभी संबंधित मानदंडों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान, राज्यपाल जी ने नैक द्वारा निर्धारित विभिन्न मानदंडों पर गहन समीक्षा करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों

की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में नैक का महत्वपूर्ण योगदान है तथा इसके लिए उन्होंने महाविद्यालय को उच्चतम स्तर पर तैयारी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, विभिन्न विभागीय समितियों और क्लबों के माध्यम से विविध कार्यक्रम, सेमिनार, कार्यशाला और प्रतियोगिता के आयोजन किए जाने तथा उसमें विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे उनका नेतृत्व कौशल और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

राज्यपाल जी ने महाविद्यालय द्वारा छात्र–छात्राओं, अभिभावकों तथा अध्यापकों का फीडबैक लेने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि अध्यापकों को विद्यार्थियों के साथ महीने में कम से कम दो बैठक कर उनकी समस्याओं को समझते हुए त्वरित निस्तारण के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के फीडबैक के माध्यम से ही महाविद्यालय शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार कर सकता है।

राज्यपाल जी ने स्लोलर्नर विद्यार्थियों पर ध्यान देने तथा ऐडेड वैल्यू कोर्सेज को मार्कशीट पर रिफ्लेक्ट करने का निर्देश देते हुए हर क्राइटेरिया में युवाओं के साथ–साथ अपने अनुभवी व पुराने अध्यापकों को भी शामिल करने को कहा। उन्होंने महाविद्यालय को

निर्देश दिया कि पूर्व छात्र जो अच्छे पदों पर हैं, उनसे विद्यार्थियों को मिलवाएं ताकि उन्हें प्रेरणा मिले और वे भी उनकी तरह बनने का प्रयास करें। राज्यपाल जी ने एथिक्स पर जोर देते हुए कहा कि महाविद्यालय बच्चों को जेल और वृद्धाश्रम का भ्रमण कराए, जिससे उनमें बुरे कार्य नहीं करने तथा वृद्धजनों के प्रति आदर व सम्मान के संस्कार विकसित हो सकें।

राज्यपाल जी ने महाविद्यालय को स्कूलों में जाकर बच्चों को उच्च शिक्षा में दाखिला लेने हेतु प्रोत्साहित करने का निर्देश देते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की फीस कम की जाए ताकि वे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें और उनकी पढ़ाई में कोई बाधा न आए। इसके साथ ही, उन्होंने महाविद्यालय में इंटरनेशनल व नेशनल कांफ्रेंस करने तथा विविध ऑनलाइन गतिविधियाँ आयोजित करने और रिसर्च पॉलिसी बनाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने दुर्लभ और सौ साल से भी अधिक पुरानी पुस्तकों को संरक्षित करने और उन्हें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थी अपनी प्राचीन धरोहरों से परिचित हो सकें।

राज्यपाल जी ने बैठक में बेस्ट प्रैक्टिस पर चर्चा करते हुए कहा कि लैब का काम किसान, महिलाएं, बच्चे, गरीब और जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय को ऐसे काम करने चाहिए जिससे इन सभी को प्रत्यक्ष लाभ मिल

सके। उन्होंने महाविद्यालय को मशरूम की खेती को बेस्ट प्रैक्टिस के रूप में अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय मशरूम की खेती की जानकारी किसानों तक पहुंचाएं और इसे पौष्टिक आहार से जोड़ते हुए आंगनबाड़ी और स्कूलों तक पहुंचाएं, ताकि विद्यार्थियों को इसकी पौष्टिकता के बारे में जानकारी मिल सके और वे जागरूक होकर इसका सेवन कर सकें। उन्होंने मशरूम की खेती को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केवल शरीर का नहीं होता, बल्कि मिट्टी का भी होता है, जो मशरूम की खेती से सुधरता है। इसलिए इसकी खेती को प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नैक के सभी मापदंडों का पालन सुनिश्चित करें और कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित पक्षों को मिलकर कार्य करना चाहिए ताकि कॉलेज को नैक से उच्चतम ग्रेड प्राप्त हो सके।

बैठक में कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो0 युद्धवीर सिंह ने राज्यपाल जी को नैक की प्रक्रिया और एस.एस.आर. की तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया तथा राज्यपाल जी के मार्गदर्शन का आभार व्यक्त किया और नैक ग्रेडिंग में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पूर्ण समर्पण का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल. जानी, महाविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

सम्पर्क सूत्र–
डॉ0 संगीता चौधरी,
राजभवन –9161668080